उत्तराखंड

वर्ष 24 | अंक 41 | पृष्ठ : 12
मूल्य : पांच रुपये

6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

देहरादून
सोमवार, 6 अप्रैल 2020
amarujala.com

संक्रमण से बचने का सबसे कारगर तरीका

न हाथ मिलाएं, न लगाएं गले...दूर से नमस्कार

युवाओं ने बनाया गांव की सुकूनभरी जिंदगी जीने का मन

कोरोना महामारी के चलते पहाड़ के गांवों में हो रहा है रिवर्स पलायन

संवाद न्यूज एजेंसी

उत्तरकाशी। कोरोना वायरस के भय और लॉकडाउन से उपजी दिक्कतों ने आधुनिक जीवनशैली एवं बाजार पर बढ़ती निर्भरता के दुष्प्रभावों को उजागर कर दिया है। वैश्विक महामारी से त्रस्त दिल्ली, महाराष्ट्र आदि महानगरों से किसी तरह बचकर गांव लौटे लोगों का अब शहरी जीवन से मोह भंग होने लगा है। रिवर्स पलायन कर लौटे कई लोग अब गांव में रहकर ही खेती बागवानी और पशुपालन आदि कार्य कर सुकून की जिंदगी जीने का मन बना रहे हैं।

रोजगार के लिए जिले के गांवों से बड़ी संख्या में लोग वर्षों से शहरों की ओर पलायन करते रहे हैं। इस बार कोरोना वायरस के प्रकोप और लॉकडाउन के चलते काम कारोबार ठप होने पर बड़ी संख्या में लोग महानगरों से गांव लौटे हैं। हरिद्वार से लौटे मुस्टिकसौड़ के विकास राणा एवं पुणे से आए सुखवंत रावत का कहना है कि अब वे शहर नहीं जाना चाहते। गोरसाली गांव के नवीन राणा ने बताया कि महाराष्ट्र में नौकरी छूटने पर लौटे अनूप राणा, धनेश पंवार आदि युवक भी गांव में ही रहकर खेतबाड़ी और पशुपालन में आजीविका तलाश रहे हैं। पहाड़ के गांवों में स्वच्छ आबोहवा के साथ जिंदगी बहुत सुकून भरी है। कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ के प्रभारी डा. पंकज नौटियाल ने बताया कि बीते कुछ समय में खेती, बागवानी, पशुपालन, मौनपालन आदि के बारे में जानकारी लेने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है।

सेवानिवृत्त हुए पर सेवा रखी जारी

रुद्रप्रयाग। सेवानिवृत्ति के बावजूद स्वास्थ्य विभाग के सफाई कर्मचारी नरेश कोरोना से इस जंग में पूरी तरह जुटे हुए है। 31 मार्च को नरेश सेवानिवृत्त हो चुके थे, लेकिन उन्होंने अपने काम को जारी रखा। मुख्य चिकित्साधिकारी अधिकारी कार्यालय से 38 वर्ष की नौकरी के बाद बीते 31 मार्च को सफाई कर्मचारी नरेश सेवानिवृत्त हो गए थे, लेकिन कार्यालय में नियमित सफाई के साथ-साथ कोरोना संक्रमण के बचाव को लेकर किए जा रहे कार्यों से जुड़े आदेशों के तहत वह अभी भी कार्य कर रहे हैं। सीएमओ डा. एसके झा ने भी उनके सेवाभाव की प्रशंसा की है। संवाद